

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 जनवरी, 2024

ट्यूबलेस पहली

- ट्यूबलेस टायर वे टायर होते हैं जनिमें भीतरी ट्यूब नहीं होती तथा वायु टायर के भीतर ही रुक जाती है। ट्यूबलेस टायर ट्यूब वाले टायर जैसा प्रतीत होता है।
- पारंपरिक ट्यूब वाले टायरों की तुलना में ट्यूबलेस टायरों के विभिन्न लाभ हैं जनिमें सुरक्षति हैडलगी, कम ड्राउनटाइम तथा अधिक आरामदायक गति शामिल हैं।
- रमिस में जंग लगना तथा मरम्मत के लिये विशेष उपकरणों की आवश्यकता के कारण ये भारत में इनकी लोकप्रियता नहीं है।
 - रमिस में जंग लगने से वायु का रिसाव होता है तथा ट्यूबलेस टायरों की सीलिंग कम हो जाती है। ट्यूबलेस टायरों को फटि करने तथा हटाने के लिये विशेष उपकरण और दाब की आवश्यकता होती है जो सड़क कनारे स्थति दुकानों में उपलब्ध नहीं होते हैं।

कर्नाटक के पश्चिमी घाट में आक्रामक प्रजातियाँ और खाद्य संकट

- **आक्रामक प्रजाति** एक गैर-स्थानीय प्रजाति को संदर्भति करती है, जो जब एक नए वातावरण में पेश की जाती है, तो आक्रामक विकास प्रदर्शति करती है और तेज़ी से फैलती है तथा प्रायः मूल पारस्थितिकि तंत्र को नुकसान पहुँचाती है।
- **लैंटाना**, **प्रोसोपिस** और **क्रोमोलाएना** जैसे आक्रामक पौधों ने शाकाहारी जीवों के लिये भोजन तथा आवास की उपलब्धता को कम कर दिया है, जो बदले में कर्नाटक के पश्चिमी घाट में उन पर निर्भर मांसाहारी जीव-जंतुओं को प्रभावति करता है।
- आक्रामक पौधे मूल वनस्पतियों के अस्तित्व को समाप्त कर सकते हैं और उन्हें वसिथापति कर सकते हैं, पारस्थितिकि संतुलन एवं जीव-जंतुओं की संचरण तथा प्रवासन को बाधति कर सकते हैं।
- **नागरहोल**, **अंशी राष्ट्रीय उद्यान**, **कुदरेमुख राष्ट्रीय उद्यान** और **भीमगढ़ वन्यजीव अभयारण्य** सहति कई वर्षावन परसिर आक्रामक प्रजातियों से पीड़ति हैं।

और पढ़ें: [आक्रामक वदिशी प्रजातियाँ](#)

तरिवल्लुवर दविस

साहित्य में तमलि संत तरिवल्लुवर के योगदान को याद करने के लिये **पोंगल** के हसिसे के रूप में **16 जनवरी** को **तरिवल्लुवर दविस** मनाया जाता था।

- माना जाता है क संत तरिवल्लुवर, जनिहें वल्लुवर के नाम से भी जाना जाता है, मायलापुर (अब चेन्नई, तमलिनाडु का हसिसा) में रहते थे। कहा जाता है कविह पेशे से बुनकर और धर्म से जैन थे।
- उन्हें नैतिकता पर दोहों के संग्रह **तरिककुरल** के लेखक के रूप में जाना जाता है। कहा जाता है कविह पेशे से बुनकर और धर्म से जैन थे।

और पढ़ें: [तरिवल्लुवर](#)

रोडोडेंड्रोन (Rhododendron)

रोडोडेंड्रोन, वृहत् काष्ठ पौधों की एक बड़ी प्रजाति है जसिमें लगभग **1,000 प्रजातियाँ** शामिल हैं। इन पौधों की वशिषता उनके आकर्षक फूल हैं जो विभिन्न रंगों, जैसे- सफेद, गुलाबी, लाल, नारंगी और बैंगनी में खलिते हैं।

- भारतीय हिमालय कषेत्र में रोडोडेंड्रोन की कुल 87 प्रजातियाँ, 12 उप-प्रजातियाँ और 8 कसिमें दर्ज की गई हैं।
- **रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम (Rhododendron arboreum)** नगालैंड का राजकीय पुष्प है। राज्य में पारंपरिक मान्यता यह है क रोडोडेंड्रोन की पंखुड़ियों खाने से कसिी के गले में फँसी मछली की हड्डियाँ निकालने में मदद मलिती है।
 - हालाँकि वृहत् स्तर पर **नरिवनीकरण**, प्राकृतिक आवास का वनिाश और कीट-प्रजातियों पर आए संकट ने कई प्रजातियों को सुभेद्य स्थति में ला दिया है।



और पढ़ें: [रोडोडेंडरन](#)

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-17-january,-2024>